



भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण
EXTRAORDINARY

भाग I—खण्ड 1
PART I—Section 1

प्राधिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं० 250] नई दिल्ली, सोमवार, दिसम्बर 16, 1985/अग्रहायण 25, 1907
No. 250] NEW DELHI, MONDAY, DEC. 16, 1985/AGRAHAYANA 25, 1907

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती हैं जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में
रखा जा सके

Separate Paging is given to this Part in order that it may be filed as a
separate compilation

वित्त मंत्रालय

(आर्थिक कार्य विभाग)

नई दिल्ली, 16 दिसम्बर, 1985

अधिसूचना

संख्या एफ. 4(26)/डब्ल्यू. एण्ड एम./85.—आम जानकारी के लिए यह
अधिसूचित किया जाता है कि भारत सरकार, लेखा और वित्त विभाग द्वारा अपनी
22 जुलाई, 1896 की अधिसूचना द्वारा घोषित "भारत सरकार का 1896-97 का 3
प्रतिशत ऋण" भारत के राजपत्र में इस अधिसूचना के प्रकाशित होने की तारीख से
तीन महीने बीतने के बाद अर्थात् 15 मार्च, 1986 को और उसके बाद सम-मूल्य पर

अदायगी के लिए देय हो जाएगा, और इस तारीख के बाद इस ऋण पर अदायगी के लिए कोई व्याज उद्भूत नहीं होगा ।

2. इन ऋण के धारक अपनी प्रतिभूतियों को लोक ऋण कार्यालयों/राजकोषों/उप-राजकोषों अथवा भारतीय राज्य बैंक अथवा इसके सहायक बैंकों की शाखाओं में, जहाँ ये प्रतिभूतियाँ व्याज की अदायगी के लिए मूल्यांकित/पंजीयित हों, 25 फरवरी, 1986 को अथवा उसके बाद प्रस्तुत कर सकते हैं ।

3. उन्मोचन मूल्य प्राप्त करने की प्रक्रिया का पूरा व्योरा उपर्युक्त भूतान कार्यालयों में उपलब्ध है और उनमें से किसी एक कार्यालय से प्राप्त किया जा सकता है ।

राष्ट्रपति के आदेश से,

ए. रंगाचारी, संयुक्त सचिव

MINISTRY OF FINANCE

(Department of Economic Affairs)

New Delhi, the 16th December, 1985

NOTIFICATION

No. F. 4(26)-W&M/85.—It is notified for general information that the Government of India 3 per cent Loan of 1896-97 announced by the Government of India Accounts and Finance Department vide their notification of 22nd July 1896 will fall due for repayment at par on the expiry of three months from the date of publication of this notification in the Government Gazette i.e. on and after the day of 15th March 1986, and that after this date no interest shall accrue for payment on this Loan.

2. The holders of the Loan may tender their securities at the Public Debt Offices/Treasuries/Sub-Treasuries or branches of State Bank of India or its Associates at which they are encased/registered for payment of interest, on or after 25th February, 1986.

3. Full details of the procedure for receiving the discharge value are available and may be obtained from any of the aforesaid paying offices.

By order of the President,

A. RANGACHARI, Jt. Secy.